दैनिक

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

बर्षः- 04
अंकः-141
मुरादाबाद
(Wednesday)
11 September 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी बोले- अब बिना सिफारिश के मिल रही नौकरी, नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में अब बिना सिफारिश नौजवानों को नौकरी मिल रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में परीक्षा होने और नियुक्ति पत्र मिलने की प्रक्रिया में पूरा एक साल लग जाता था पर अब छह महीने में ही नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है।

पहले लोगों को नौकरी पाने के लिए सिफारिश लगानी पड़ती थी पर अब पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लखनऊ के लोकभवन में 647 नवचयनित वन रक्षकों व वन्यजीव रक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के कार्यक्रम में बोल रहे थे।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम थोड़ी भी सावधानी बरत लें तो नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोई चेष्टा भी नहीं कर पाएगा।

इसके लिए प्रदेश सरकार ने अनुचित साधनों के नियम प्रावधान आने का काम किया है। चाहे वह नकल माफिया हो या पेपर लीक जैसी गतिविधियों की रोकथाम के लिए कानून लाए हैं। इस एक्ट के माध्यम से पेपर लीक करने वालों को एक करोड़ रुपए का जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। हम लोगों ने परीक्षा पर निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी इंतजाम किया है। परीक्षा के प्रदेश में जितने भी सेंटर हैं या फिर बनते हैं वहां बैठने वाले अभ्यर्थियों को हम लखनऊ में बैठ करके स्क्रीन पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से मॉनिटर कर सकते हैं। अभी हमने हाल ही में 60 हजार पुलिसकर्मियों को भर्ती करने की प्रक्रिया पूरी की है।

संक्षिप्त समाचार

विधायक के आवास पर युवती का सुसाइड: दीवार पर बने थे दो दिल, एक में लिखा था N; दूसरा था खाली

भदोही में विधायक के आवास पर युवती की आत्महत्या का मामला चर्चा का विषय बन गया है। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट तो नहीं मिला, लेकिन जिस कमरे में वह रहती थी वहां दिल का सिंबल जरूर मिला। अब उसी को आधार मानकर आत्महत्या की वजह का पता लगाया जा रहा है।भदोही विधायक जाहिद बेग के आवास पर तीसरी मंजिल के कमरे में आत्महत्या करने वाली युवती ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। लेकिन युवती के कमरे से मिली दो दिल की आकृति कई सवाल खड़े कर रही है। भदोही विधायक के आवास की तीसरी मंजिल पर स्थित जिस कमरे में नाजिया ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या की। उसकी ऊंचाई केवल साढ़े सात से आठ फीट है। कमरे में रखी सफेद रंग की कुर्सी के सहारे युवती ने पंखे की कुंडी पर दुपट्टे से फंदा बनाया और झूल गई। पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ा तो कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन कमरे में एंट्री करते ही ठीक सामने की दीवार पर दिल के दो सिंबल बने मिले। एक दिल के सिंबल पर एन (ह्न) लिखा गया था। वहीं दूसरा दिल का सिंबल खाली था। इसके अलावा दोनों दिल के सिंबल के पास गुलाब का फूल भी बनाया गया था। कमरे में एक मोबाइल फोन भी मिला है। कमरे की दीवार पर बने इस सिंबल से आत्महत्या की वजह तलाशी जा रही है। हे कदम को उठाने को लेकर कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया।

मायावती बोलीं, सत्ता मिलने पर कांग्रेस खत्म कर देगी एससी-एसटी, ओबीसी आरक्षण

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आएगी तो आरक्षण खत्म कर देगी। उन्होंने कहा कि जातिवाद पूरी तरह समाप्त होने तक आरक्षण की व्यवस्था जारी रहना जरूरी है।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि जातिवाद पूरी तरह खत्म होने तक आरक्षण की व्यवस्था जारी रहना जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद उसने ओबीसी आरक्षण लागू नहीं किया और देश में जातीय जनगणना नहीं कराई। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विदेश में दिए उस बयान से सतर्क होने को भी कहा, जिसमें उन्होंने एससी-एसटी व ओबीसी आरक्षण खत्म करने की बात कही है। बसपा सुप्रीमो ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि कांग्रेस अब जातीय जनगणना की आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है। लोग इसके इस नाटक से सचेत रहें क्योंकि यह आगे भी जातीय जनगणना नहीं कराएगी। कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी के इस नाटक से भी सतर्क रहें जिसमें उन्होंने विदेश में कहा कि भारत जब बेहतर स्थिति में होगा तो हम एससी-एसटी व ओबीसी आरक्षण खत्म कर देंगे। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस वर्षों से इनके आरक्षण को खत्म करने के षड्यंत्र में लगी है।इन वर्गों के लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस घातक बयान से सावधान रहें क्योंकि यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आते ही इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी। ये लोग संविधान व आरक्षण बचाने का नाटक करने वाली इस पार्टी से सजग रहें। सच्चाई यह है कि कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण विरोधी सोच की रही है। केंद्र में रही इनकी सरकार में जब इनका आरक्षण का कोटा पूरा नहीं किया गया तब इस पार्टी से इनको इंसाफ न मिलने की वजह से ही डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। शिक्षक भर्ती मामले में ईमानदार रुख अपनाए सरकार- वहीं, दूसरी ओर उन्होंने 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में कहा कि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्हें अपना संवैधानिक हक जरूर मिलना चाहिए। राज्य सरकार इस मामले में अपना ईमानदार रुख अपनाए ताकि इनके साथ कोई भी अन्याय न हो।

साइबर सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना देश की प्रगति संभव नहीं', I4C की स्थापना दिवस पर बोले अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि साइबर अपराध की कोई सीमा नहीं होती और इसलिए यह जरूरी है कि सभी हितधारक खतरे से निपटने के लिए एक साथ आएं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को देश की साइबर सुरक्षा पर बात की। उन्होंने कहा कि देश का विकास साइबर सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना संभव नहीं है। साथ ही साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि साइबर अपराध की कोई सीमा नहीं होती और इसलिए यह जरूरी है कि सभी हितधारक खतरे से निपटने के लिए एक साथ आएं। साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग- गृह मंत्री शाह ने आई4सी (भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र) के स्थापना दिवस समारोह पर कहा कि साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग है। हमें साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए क्योंकि साइबर सुरक्षा के बिना देश का विकास संभव नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि सरकार भारत में साइबर अपराधों से निपटने के लिए एक योजना बना रही है। इसके तहत अगले पांच सालों में 5000 साइबर कमांडो को साइबर अपराध से निपटने के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए इन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। 46 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन भारत में- साइबर स्पेस को सुरक्षित बनाने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के 46 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन भारत में हो रहे हैं। उन्होंने देश में साइबर अपराध से लड़ने के लिए आई4सी के तहत चार प्लेटफार्मों का भी उद्घाटन किया।क्या है आई4सी?- बता दें, आई4सी की स्थापना 2018 में गृह मंत्रालय (MHA) के तहत की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य देश में साइबर अपराधों से संबंधित सभी मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का समन्वय केंद्र स्थापित करना है। आई4सी को कानून-प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमताओं को बढ़ाने और साइबर अपराध से निपटने वाले विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय में सुधार करने के लिए भी अनिवार्य किया गया है।

उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री ने बरेली में दर्ज कराई रिपोर्ट, एक महिला और डॉक्टर नामजद

उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या की ओर से बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसमें एक महिला और उसके मौसा पर मंत्री और उनके पति के नाम का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बरेली के बारादरी थाने में आईजी के आदेश से कल्पना मिश्रा उर्फ कल्पना चतुर्वेदी और डॉक्टर आरसी पांडेय के खिलाफ धोखाधड़ी और चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि महिला और डॉक्टर कैबिनेट मंत्री के पति भाजपा नेता गिरधारी लाल साहू के नाम और पद का दुरुपयोग कर रही है। फर्जी तरीके से अवैध धन उगाही कर जनमानस में अपना दबदबा बनाने के लिए उनके दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रही है।आरोपियों ने अपनी क्रेटा कार में उत्तराखंड सरकार का बोर्ड, हूटर, लाल नीली बत्ती लगा रखी है। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या का आरोप है कि महिला ने उनके बरेली स्थित आवास से सात लाख रुपये और सोने व रुद्राक्ष की माला भी चोरी कर ली। रेखा आर्या की तहरीर पर महिला और उसके मौसा डॉक्टर आरसी पांडेय के खिलाफ आईजी के आदेश पर बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राहुल गांधी पर केस दर्ज कराएगी भाजपा, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सिखों पर बयान पर जताई आपत्ति

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 1984 में एक सोची-समझी साजिश के अंतर्गत सिखों का नरसंहार किया गया था। उन्होंने कहा कि इसमें कांग्रेस के कई बड़े नेता शामिल थे और इन हमलों में 3000 से अधिक सिखों की
हत्या की गई थी। इस पर अपनी गलती मानने की बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी
दिए गए बयान पर गहरी नाराजगी जताई है। पार्टी ने कहा है कि राहुल गांधी
रहे हैं। पार्टी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने
पूरे मान-सम्मान के साथ रह रहा है और देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण
ने सिखों के सम्मान को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। पार्टी
से बाज आना चाहिए। पार्टी नेता सरदार आरपी सिंह ने कहा है कि वे राहुल
पुरी ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 1984 में एक सोची-
कहा कि इसमें कांग्रेस के कई बड़े नेता शामिल थे और इन हमलों में 3000
की बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी दूसरों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पुरी ने
इसके बाद भी राहुल गांधी विदेशों में भारत को बदनाम करने का प्रयास
सरदार आरपी सिंह ने कहा कि गुरुद्वारों में लंगर पर लगने वाले टैक्स को

दूसरों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। भाजपा ने राहुल गांधी के सिखों पर
अपनी विदेश यात्रा के दौरान भारत को बदनाम करने का प्रयास कर
सिखों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये हैं और सिख समुदाय देश में
योगदान दे रहा है। करतारपुर कॉरिडोर खोलने के साथ ही केंद्र सरकार
के अनुसार, ऐसे ही राहुल गांधी को विदेश में कोई गलतबयानी करने
गांधी के बयान के खिलाफ कोर्ट जाएंगे। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह
समझी साजिश के अंतर्गत सिखों का नरसंहार किया गया था। उन्होंने
से अधिक सिखों की हत्या की गई थी। इस पर अपनी गलती मानने
कहा कि नेता विपक्ष होने के कारण वे एक संवैधानिक पद पर हैं।
कर रहे हैं। उन्हें ऐसे कार्यों से बचना चाहिए। भाजपा के सिख नेता
माफ करने सहित सिखों को सम्मान देने का हर कार्य केंद्र सरकार ने
किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी गुरुद्वारे जाते हैं, पूरी श्रद्धा के साथ पगड़ी धारण करते हैं और सिर झुकाते हैं, जबकि इसी देश में ऐसे प्रधानमंत्री हुए हैं जिन्होंने सिखों के कत्लेआम को सही ठहराया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की कोशिश करनी चाहिए। सरदार आरपी सिंह ने कहा कि वे राहुल गांधी के खिलाफ केस दायर करने पर गंभीरता से विचार करेंगे।

संपादकीय Editorial

Para players are also great heroes

The Paris Paralympic Games Maha Kumbh, 2024 also concluded, but it became memorable for India. Indian para players created 'unprecedented chapters' of records, achievements and medals. In the 2020 Tokyo Paralympics, India had won a total of 19 medals including 5 gold medals, but this time they have won 10 more medals. These players are not ordinary beings. They are Divyang, half-incomplete and helpless, but there is an angel with miracles present within them. Despite being disabled, they have achieved success with divinity, as a result of which India has joined the group of top 20 countries for the first time. In the Paris Paralympics, India has ranked 18th by winning 7 gold, 9 silver, 13 bronze medals, i.e. a total of 29 medals. The challenges and competitions were as tough for para athletes as they were for normal, strong and sturdy Olympic athletes, but the Olympics were gold-less, we could win only 6 medals, one silver and 5 bronze, and finished 71st. We also applauded that performance and players were felicitated across the country. Prizes worth crores were announced. India has learned to give its players a lot of respect. Although success, achievements and national honour cannot be compared, how can the double golden achievement of shooter Avni Lekhara and javelin thrower Sumit Antil be ignored in the Paralympics? Both were champions of the Tokyo Paralympics and have become champions this time too. Sumit has also set a world record by throwing the javelin to a distance of 70.59 metres. He seems to be a version of Neeraj Chopra. In this category, Harvinder Singh in archery, Nitesh Kumar in badminton, Praveen Kumar in high jump, Dharambir in club throw and Navdeep Singh, a short-statured javelin thrower, have achieved golden successes and forced us to think why these disabled players are not the 'superheroes' of the country? They are also 'tricolour bearers' and the global echo of 'Jan Gan Man...'. Why are they not popular and deserving of national honour like Olympic medallists? Why is their public identity not such that they are also invited and honoured on popular platforms like 'Kaun Banega Crorepati'? The country should more or less see which warriors have achieved international glory by fighting disability and have brought glory to India! India is not a disabled-friendly country. The infrastructure for the convenience of disabled people in public life here is very less. The 'Rights of Persons with Disabilities Act' has been passed in 2016. There was a special provision in it that public places should be made disabled-friendly in five years, but its implementation is far from satisfaction. The central government has also reduced the budget. It is surprising that private buildings and transport system, even in metropolitan and metro cities, are not ready to follow this law. Para athletes have taught this system a lesson. In 2016, we started participating in Paralympic Games. Before that, in 2012 London and 2016 Rio Olympic Games, India got only one medal and 3 medals respectively. It was a very disappointing and humiliating period. In 2016, we won 4 medals including 2 gold medals in Paralympics, so a ray of hope was seen, so for the first time Prime Minister Modi invited para athletes to his residence and tried to understand many things by meeting them. World class championship of para athletes was started in the country. New talents came to the fore. New trainers were also trained. Special attention was also given to the psychological training of para athletes. Many types of assistance were given. The infrastructure has also improved a lot. However, India is emerging as a powerful country in Paralympics too, although there is still a long way to go. This time India has won 29 medals and till now a total of 58 medals have been won in all the Paralympic.

US Presidential Election: All eyes on Trump-Harris debate; Ambiguity due to fog of policies, lack of nuances is fatal...

Kamala Harris and Donald Trump have made a flurry of promises and concessions to calm people's sentiments. Trump has promised to exempt tips and social security from taxes, expand child tax credit and impose taxes on private universities. Kamala has promised to exempt tips from taxes, expand child and earned income tax credit, give money on purchase of first home and give other incentives for housing. These days, when US Vice President and Democratic Party's presidential candidate Kamala Devi Harris arrives at rallies, the familiar slogan resonates with the tune of famous American singer Beyonce's song 'Freedom' - 'When we fight, we win.' A little over six weeks ago, political pundits had predicted Trump's reelection. Trump had also considered it a foregone conclusion, but since then whatever could go wrong has happened. Harris's entire campaign seems to be a well-thought-out strategy to attract liberal leaders of the Republican Party (Rockefeller Republicans), people dissatisfied with Trump and neutral voters. She has revived the hopes of the Democratic Party by redefining her campaign. Now a three-point lead ahead in four out of presidential debate an important Kamala has non-performing from the failures of credit for its forward and America. On the hand, lost his initial Now he will have to charisma. Political terminology tabula Philosopher John terminology, is like a blank slate, experiences. In

her victory seems possible. She has over Trump in opinion polls and is seven electoral provinces. The to be held in Philadelphia today is moment for both the candidates. rejected the allegations of being a vice-president. She distanced herself the Biden administration and took successes. Now Kamala should come present a plan that is acceptable to other hand, Trump, on the other advantage in the debate with himself. start again and rediscover his philosophers often use the Latin rasa, which means a blank slate. Locke, who popularized this argued that at birth, a human mind on which he fills knowledge from his fact, the 2024 US presidential campaign is also like a blank slate, on which candidates have to clarify their stand on various issues. Trump and Kamala Harris have created many ambiguities around their policy options. For Americans and the world, who are waiting for policies to be filled on this blank slate, it is actually a fog of knowns and unknowns. The people of America are agitated and worried about the state of the economy i.e. cost of living, employment and indebtedness as well as immigration and the right to abortion. Kamala and Trump have made a flurry of promises and concessions to calm the sentiments of the people. Trump has promised to exempt TIPS and Social Security from taxes, expand the child tax credit and impose taxes on private universities. Kamala has promised to exempt tips from taxes, expand child and earned income tax credits, give money for first home purchases and provide other incentives for housing. The candidates did not give details on how these freebies will be funded. This is particularly important for Americans and the world. US fiscal and monetary policies flow through financial markets. The US's gross debt is $350 trillion and every 100 days it adds another $10 trillion; high interest rates further increase debt service costs. At the Economic Club of New York, Trump said he would raise import duties (60 percent on Chinese goods) and reduce inflation, while studies show that import duties increase inflation. Trump announced without giving details that the deficit could be reduced by cutting spending and promised to form a commission headed by entrepreneur Elon Musk to improve spending. On the other hand, Kamala has shaken the markets and corporations by proposing a 25 percent minimum tax on corporations and total income and announced the idea of ????taxing unrealized gains (i.e. profits on paper, but not in reality) on ownership of shares and assets worth more than $ 100 million. These measures have already been criticized a lot and are sure to be opposed. The results of the presidential election in the country with the largest economy and military power will be decisive for the world. It is said that America has no permanent friends and no permanent enemies and as the famous former American diplomat Henry Kissinger said, it has only permanent interests. But the definition of interests is equally temporary. In the year 2016, Obama signed a nuclear deal with Iran, which was terminated by Trump in 2018. Trump frightened Europe by threatening to exit NATO, while Biden announced America's return and strengthened NATO. Global warming is a reality. But Trump withdrew from the Paris Agreement in 2019, and the Biden administration rejoined it in 2021. These policy changes have had an impact on relations. Do the US presidential candidates have any plans to end the wars? The Ukraine-Russia war, driven by the Zelensky regime and funded by NATO, which has been going on for the last 20 years, is still going on. The US's decision to end the war appears to have only helped arms producers and the military-industrial complex. Trump claimed he could end the war in a day, but did not explain how. The carnage continues in West Asia. What are their views on China's plan to annex Taiwan? Kamala, however, indicated that she would continue Biden's policies, while Trump wants Taiwan to pay the US for its defence. Questions will be raised in Tuesday's debate. Don't hold your breath waiting for the answers. Ambiguity and lack of nuance could prove fatal in close contests. The world will have to fill in this blank slate for itself, guessing at the hidden meanings between what was said and what was not said.

Suicide: Life doesn't mean death... Businessmen are committing suicide due to loss in business, curbing the increasing cases is important

It is said that India has the highest youth suicide rate in the world. Meanwhile, according to the National Crime Records Bureau (NCRB), in 2020, one student died every 42 minutes. This figure is really scary. This time too, the country celebrated Teachers' Day on September 5 with great enthusiasm. On social media, special gratitude was expressed to teachers for their contribution in the development of students. But now intelligent teachers, psychiatrists and citizens will also have to think why a large section of youth is ending their lives in situations of despair and failure. Hardly a day passes when news related to suicide of a youth preparing for competitive examination is not published in the newspaper. The whole country will have to think on this serious issue. The number of people committing suicide is also increasing due to loss in business. A few days ago, the billionaire owner of a bicycle manufacturing company also committed suicide. Last year, it was reported in the Lok Sabha that more than 35,000 students committed suicide in the country between 2019 and 2021. There is no doubt that the pressure and expectations of parents, teachers, society to succeed in a particular exam at any cost is having a fatal effect on the mental health of the students. Every year, lakhs of students reach Kota city of Rajasthan with the dream of cracking the entrance examination of IIT, NIT or Medical. You go to Kota or any other city of the country, where coaching institutes for civil services are running along with medical and engineering colleges. There the students are in a state of great psychological distress due to pressure and fear of failure. Dr. Vinay Agarwal, former president of the Indian Medical Association (IMA), says that instead of expressing concern over the increasing cases of suicide, we have to stop them. We have also organized a seminar in Delhi on World Suicide Prevention Day to find out the reasons for suicide by youth, businessmen and others and the solutions to this problem, where psychiatrists, journalists and social workers will read their papers. After those conclusions, we will make further strategy. Some coaching centers are also making such efforts, so that the students do not remain under a lot of pressure. The head of a coaching center in the capital said that we also keep counseling the students continuously. We also remain in touch with their parents. It is said that India has the highest youth suicide rate in the world. Meanwhile, according to the National Crime Records Bureau (NCRB), in 2020, a student took his life every 42 minutes. This figure is really scary. Parents and teachers have to provide a good environment to the youth, so that they study or do whatever they want to do without any pressure. Brother Solomon George, president of Delhi Brotherhood Society (DBS) and social worker who runs St. Stephens Cambridge School in Sonipat, Haryana, says that we ensure that the children studying in our school study without any pressure. Raising a child is a twenty-year plan. Who does not want his child to achieve a high position in the society, earn fame? But for all this, it is necessary that the child is also given the freedom to choose the career of his choice according to his ability and choice. It is a bitter truth that in our society, the measure of success is considered to be a good job, a big house and all other comforts. Sadly, in the interest of the future, we have started forcing our children to take steps like suicide. I am remembering the lines of the great poet Gopaldas Neeraj, those who shed tears secretly, those who shed pearls in vain, life does not die with the death of some dreams. The cycle of success and failure keeps on moving. It is better to accept it. As mentioned above, a billionaire businessman committed suicide recently. It is being said that the owner of the bicycle manufacturing company committed suicide due to loss in business. Data from the National Crime Records Bureau (NCRB) showed that in 2020, when the Covid wave devastated the business, 11,716 businessmen committed suicide, which was 29 percent more than in 2019, when 9,052 businessmen committed suicide. A large part of India's business community is associated with micro, small and medium enterprises, which are unable to bear major shocks. Due to this, many businessmen committed suicide due to debt or loss in business. Overall, the increasing incidents of suicide of youth and businessmen as well as others have to be stopped effectively.

राजकीय हाईस्कूल इस्लाम नगर में जमीन पर बैठ कर पढ़ रहे बच्चे, मनमानी करती हैं प्रधानाचार्य

मुरादाबाद। प्रदेश सरकार बच्चों की शिक्षा पर खूब पैसा खर्च कर रही है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में कोई दिक्कत न हो इसलिए जरूरी संसाधन भी मुहैया कराए जा रहे हैं। लेकिन, शिक्षक सरकार की छवि धूमिल कर रहे हैं। इस्लाम नगर में संचालित राजकीय हाईस्कूल में फर्नीचर होने के बावजूद भी प्रधानाचार्या बच्चों को जमीन पर बैठाकर पढ़ा रही हैं। कैमरे की नजर पड़ने के बाद कक्ष में गर्मी

लगने की बात कहने लगीं। स्कूल में बिजली कनेक्शन न होने की बात कहने वाली प्रधानाचार्या के लिए कुर्सी और पंखा अलग से लगा था। बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। इस्लामनगर में जुलाई में राजकीय हाईस्कूल खोला गया था। यहां इस वर्ष 9 वीं कक्षा संचालित कर सत्र की शुरुआत की गई है। यहां शाजिया परवीन प्रधानाचार्य हैं। स्कूल में कक्षा 9 में 50 छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्कूल में जिला विद्यालय निरीक्षक की निगरानी में जरूरी संसाधन मुहैया कराए गए हैं। इसके बावजूद बच्चों को जमीन पर बैठकर पढ़ना पड़ रहा है। प्रधानाचार्य गेट के पास बच्चों को जमीन पर बैठा कर पढ़ातीं मिलीं। जबकि मैडम के लिए कुर्सी टेबल के साथ अलग से पंखा भी लगा था। कैमरे की नजर पड़ते ही उन्होंने बच्चों को कक्षा में जाने का इशारा किया। सहमे बच्चे उठकर विद्यालय के कक्ष में चले गए। बच्चों ने बताया कि मैडम रोज ही बाहर जमीन पर बैठाकर पढ़ाती हैं। प्रधानाचार्या ने बताया कि विद्यालय में बिजली का कनेक्शन नहीं है, गर्मी के चलते बच्चों को बाहर बैठाकर पढ़ा देते हैं। कुछ ही पल में विद्यालय में बिजली आपूर्ति हुई तो पंखा चल पड़ा। पता लगा कि विद्यालय में बिजली विभाग की ओर से बस मीटर नहीं लगा है। बाकी कनेक्शन कर बिजली व्यवस्था सुचारू है। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि मैडम फर्नीचर होने के बाद भी जमीन पर बैठाकर ही बच्चों को पढ़ाती हैं। इसके लिए कई बार गांव के लोगों ने भी शिकायत की लेकिन, कोई असर नहीं हुआ। प्रधानाचार्या को फोन मिलाया था फोन उठा नहीं। प्रधानाचार्या से जमीन पर बैठाकर बच्चों को शिक्षा देने के मामले की जानकारी की जाएगी। उन्हें नोटिस देकर उनका स्पष्टीकरण लेंगे। दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई भी की जाएगी।-डॉ. अरुण कुमार द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक

थाने में लगे एसएचओ मुर्दाबाद के नारे: युवती के गायब होने पर हिंदू संगठनों का हंगामा, तुरंत दर्ज करना पड़ा केस भागे

मुरादाबाद। रामपुर के पटवाई थाने में हिंदुवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। उन्होंने कहा कि दूसरे समुदाय का युवक एक युवती को भगा ले गया है। शिकायत के बाद भी उसकी बरामदगी नहीं की जा रही है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। पटवाई थाना क्षेत्र के एक गांव की हिंदू युवती को दूसरे समुदाय का एक युवक शुक्रवार को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। युवती की मां

की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक सहित पांच लोगों के खिलाफ अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया था। लेकिन मामले में युवती की बरामदगी ना होने पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता आग बबूला हो गए।उन्होंने थाने का घेराव करते हुए पटवाई एसएचओ मुर्दाबाद के नारे लगाए। पुलिस द्वारा चार दिन बाद भी युवती का कोई पता ना लगाने पर हिंदू संगठन के लोग सोमवार शाम पटवाई थाने पहुंच गए। पुलिस से नाराज विहिप जिलाध्यक्ष अमरनाथ वाल्मिकी, बजरंग दल के जिला महामंत्री अमृत गौड़, नगर अध्यक्ष बजरंग दल मुकेश पटेल सहित हिंदू संगठन कार्यकर्ताओं ने थाने पर जमकर हंगामा किया। इसी दौरान हंगामा करते-करते हिंदू संगठन के लोग थाने के अंदर दरी डालकर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। पुलिस द्वारा 24 घंटे के अंदर आरोपी युवक और युवती का पता लगाने का आश्वासन देकर उनको शांत किया गया। इसी दौरान हिंदू संगठन के लोगों ने थाने में एसएचओ मुर्दाबाद के नारे और जय श्री राम के नारे भी लगाए। हिंदू संगठन के लोगों ने आरोपी के घर पर बुलडोजर चलवाने को भी कहा। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक हुसैन पुत्र शमशाद और सफदर, गब्बर शमशाद, गुड़िया के खिलाफ अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया था। सोमवार को पुलिस ने शमशाद और सफदर को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। इसी मामले में प्रकाश में आए मथुरापुर खुर्द निवासी मोहम्मद आलम को भी गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। तीन आरोपियों को जले भेज दिया गया है, मामले में जल्दी युवती की बरामदगी के लिए टीमें लगाई गईं हैं। जल्द युवक को भी गिरफ्तार किया जाएगा। - विद्या सागर मिश्र, एसपी रामपुर। बच्चों के विवाद में मारपीट और पथराव, वीडियो वायरल- शाहबाद के ग्राम मित्रपुर में बच्चों-बच्चों के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक पक्ष की ओर से पथराव भी किया गया। जिसका वीडियो वायरल हो गया। इस मामले में एक पक्ष के यासीन खां व दूसरे पक्ष के आमीर खां, मशरूफ, इमरान, जरीफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि बच्चों बच्चों के मामूली विवाद में कहासुनी हो गई। कहासुनी के दौरान यासीन की बहन मुजरेमीन और इनकी पत्नी सायरा को आरोपियों ने पीट दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं इस प्रकरण के आरोपी पक्ष का छत से पथराव करने का वीडियो वायरल हो रहा है। कोतवाल पंकज पंत ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। घायलों का मेडिकल कराया गया है।

दुल्हन की कार रोक लूट का प्रयास, बाइक सवारों ने की बरातियों से मारपीट, ग्रामीण आए तो बाइक छोड़कर भागे

मुरादाबाद। रामपुर में बदमाशों ने दुल्हन की कार को रोककर लूट का प्रयास किया। विरोध करने पर बरातियों से मारपीट भी की गई। हंगामा मचने के बाद मौके पर ग्रामीण पहुंच गए। लोगों को देख बदमाश बाइक छोड़कर फरार हो गए।उत्तराखंड के केलाखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव से दुल्हन को विदाई कराकर लौट रही बरातियों को कुछ बाइक सवारों ने स्वार क्षेत्र के मेहंदीनगर गांव के मोड़ पर

ओवरटेक करके लूटने का प्रयास किया। इस बीच हुई मारपीट में दूल्हे का भाई चोटिल भी हो गया।बरातियों की चीख पुकार सुनकर ग्रामीण आ गए, जिसके चलते बदमाश फरार हो गए। इस दौरान वह अपनी बाइक वहीं छोड़ गए। सीओ स्वार और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रथम दृष्टया मामला बरात में हुए विवाद को बताया है। घटना की जांच की जा रही है।लोगों ने बताया कि जिला मुरादाबाद के थाना मूंढापांडे अंतर्गत खाईखेड़ा बीनावाला गांव निवासी शानिब अली की बरात सोमवार दोपहर उत्तराखंड के जिला उधमसिंह नगर केलाखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव रत्ला की मंडैया में तौफीक के यहां गई थी। वहां बरात में महिलाओं के फोटो खींचने को लेकर विवाद हुआ था। वर-वधू पक्ष के लोगों ने मामला शांत करा दिया था। इसके बाद निकाह की रस्म अदायगी हुई और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शाम लगभग पौने आठ बजे बरात दुल्हन को विदा करके अपने गांव के लिए रवाना हुई। आरोप है कि बरात की गाड़ियां स्वार कोतवाली क्षेत्र के मेहंदीनगर गांव के मोड़ पर भगवंत नगर ही पहुंची थी कि पीछे से कुछ बाइकों पर सवार युवक आए और उन्होंने दूल्हा-दुल्हन की कार ओवरटेक करके रोक ली। आरोप है कि युवकों के पास हथियार थे। यह देखकर बरातियों में शामिल महिलाओं में चीख पुकार मच गई। इसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। सीओ अतुल कुमार पांडेय ने पीड़ितों से घटना की जानकारी ली। बताया कि मामला प्रथमदृष्टया बरात में मारपीट का लग रहा है। घटना की पड़ताल की जा रही है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के उत्तराखंड की तरफ भागने की जानकारी मिली है।

पत्नी ने खाने में परोसा जहर, जेठानी ने भी खा ली रोटी...देवर-भाभी की तबीयत बिगड़ी

मुरादाबाद -बिलारी थाना क्षेत्र में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पत्नी ने खाने में जहर मिलाकर पति को परोस दिया। पति ने तीन रोटी खा लीं, भूख लगने पर जेठानी भी देवर के साथ खाना खाने बैठ गई। थोड़ी देर बाद दोनों की हालत बिगड़ गई। बिलारी सीएससी जांच में जहर की पुष्टि होने के बाद दोनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। बिलारी थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी बीमार राजाराम के भैया ने बताया है कि मंगलवार करीब 3-00 बजे राजाराम ने पत्नी से खाने के लिए कहा। पत्नी ने पति राजाराम को चार रोटी सब्जी दे दी। पति ने तीन रोटी खा ली। भूख लगने पर जेठानी ने उसी में से बची एक रोटी खा गईं। थोड़ी देर बाद अचानक से दोनों की तबीयत खराब होने लगी। परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने दोनों को बिलारी सीएससी में भर्ती कराया। जहां पर जांच में जहर खाने की पुष्टि हुई। आनन फानन में सीएचसी के डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां पर दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। जिला अस्पताल में उपचाराधीन है। बिलारी के थाना प्रभारी ने बताया है कि परिजन ऑन की शिकायत मिल गई है। मामले की जांच करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सेंट मीरा एकेडमी में हिन्दू बच्चों के कलावे कटवाने का आरोप, स्कूल पहुंचे हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता..जमकर किया प्रदर्शन

मुरादाबाद। मानसरोवर कॉलोनी में स्थित सेंट मीरा एकेडमी में बच्चों के हाथों से कलावा कटवाने का आरोप लगा है। मंगलवार

को हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता स्कूल पहुंचे और जमकर प्रदर्शन किया। वहीं सोमवार को बिलारी कोतवाली क्षेत्र के रुस्तम नगर सहसपुर स्थित डी पॉल स्कूल के बाहर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी और छात्र नेताओं ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधक और प्रधानाचार्य पर छात्रों से कलावा, माथे पर तिलक लगाने से रोकने और धार्मिक भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन और प्रधानाचार्य पर कार्रवाई की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा।

युवक की हत्या में पत्नी व उसके प्रेमी-रिश्तेदार को उम्रकैद, कोर्ट ने दोषियों पर जुर्माना भी लगाया

मुरादाबाद। रिश्तेदार और प्रेमी से अवैध संबंधों को लेकर महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। यही नहीं महिला ने अपने ऊपर से शक हटाने के लिए खुद ही थाने पहुंचकर पति के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कोर्ट ने मूंढापांडे में चार साल पुराने मामले में महिला व उसके प्रेमी और रिश्तेदार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा दोषियों पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जनपद के थाना मूंढापांडे के हुसैनपुर गांव में हत्या की घटना 14 जुलाई 2020 की रात की है। जहां मंजू ने अपने पति सुखपाल के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कहा था कि वह पति के साथ खाईखेड़ा गांव में ननद-ननदोई के घर आई थी। रात में ननदोई राजीव और पति घूमने गए पर सुबह चार बजे राजीव अकेला घर लौटा। पति का पता नहीं चल सका। सुखपाल का मोबाइल भी बंद था। महिला की तहरीर पर थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की गई। सुखपाल का शव जंगल में मिला है। शव को कुएं में फेंक उस पर यूकेलिप्टस की टहनियां डालकर छिपाने की कोशिश भी की गई। इस मामले की सुनवाई एडीजे योगेन्द्र चौहान की अदालत में हुई। एडीजीसी दिनेश कुमार कश्यप ने बताया कि कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस को पता चला कि मंजू के कटघर के गोविंदनगर निवासी राज कुमार से संबंध हैं। इस पर पति पत्नी में विवाद था। बाधक बने सुखपाल को हटाने की योजना बना ली। जिसमें महिला का ननदोई राजीव भी शामिल हो गया। एडीजीसी के अनुसार इस मामले में नौ गवाह पेश हुए। सुनवाई के बाद तीनों को दोषी मानते हुए कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए आरोपियों पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

पूरे प्रदेश में नहीं डीपीटी का टीका, लोगों को सता रहा डिप्थीरिया का डर...बढ़ी मांग

डिप्थीरिया की रोकथाम के लिए लगाया जाता है डीपीटी का टीका

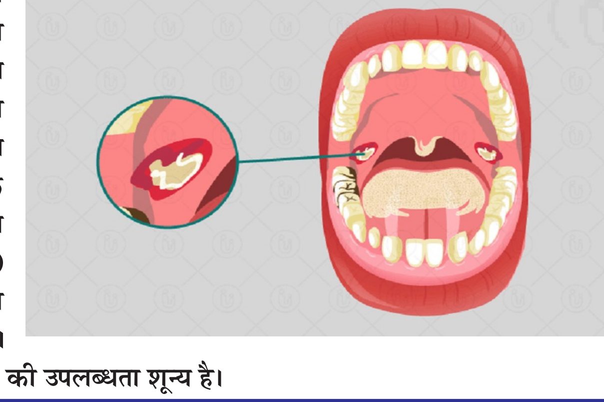

मुरादाबाद। जिले में इन दिनों डीपीटी के टीके की मांग बढ़ गई है। दरअसल, 12 दिन पहले सादिकपुर गांव में डिप्थीरिया रोग से 8 वर्षीय बालिका की मौत हो गई थी। इसी के बाद से लोगों में डिप्थीरिया रोग को लेकर डर बन गया है और बच्चों को इस रोग से बचाने की चिंता भी बढ़ी है। इसलिए डिप्थीरिया रोग को निष्क्रिय करने वाले टीके की भी मांग बढ़ी है। डिप्थीरिया की रोकथाम के लिए डीपीटी का टीका लगता है और इस टीके की उपलब्धता स्वास्थ्य विभाग के पास न होने की बात कही जा रही है। दरअसल, सोमवार को एएनएम लक्ष्मी रानी बच्चों को टीकाकरण करने सादिकपुर गई थीं, जहां ग्रामीणों ने पांच वर्ष की आयु वाले बच्चों को डीपीटी का टीका लगाने की मांग की। एएनएम ने इस टीके के न होने की बात कही तो प्रधान नरेश के भाई मुकेश ने फोन कर जानकारी दी और सवाल किया कि क्या स्वास्थ्य विभाग के पास यह टीका ही नहीं है। फिलहाल, इस मामले में संपर्क करने पर सीएचसी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हरीश चंद्रा ने भी यही दोहराया कि यह टीका बिलारी सीएचसी छोड़िए, ऊपर (प्रदेश) से ही नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि वैसे तो ये टीका तीन प्रकार की बीमारी को रोकने के लिए बच्चों को लगता है। इसमें डिप्थीरिया (गला घोंटू), पर्टुसिस (काली खांसी) और टेटनस (लॉकजॉ) जैसी बीमारी शामिल हैं। अधीक्षक ने कहा कि हमारा लक्ष्य 16 साल तक के बच्चों को टीकाकरण करने का है। डीपीटी के टीके को लेकर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. संजीव बेलवाल ने डीपीटी का टीका न होने की बात से इनकार किया। कहा कि उनके कोल्डचेन में यह टीका उपलब्ध है, बशर्ते उपलब्धता की कमी हो सकती है। पर ये कहना उचित नहीं है कि टीके की उपलब्धता शून्य है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एस0आर0 पब्लिक स्कूल मे नेत्र व मधुमेह परीक्षण के लिए लगाया गया शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में आज एस0आर0 पब्लिक स्कूल कालपी रोड उरई, जनपद-जालौन में चालकों/परिचालकों के स्वास्थ्य, नेत्र एवं मधुमेह (सुगर) परीक्षण की जाँच हेतु सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शिविर लगाया गया। उक्त शिविर में एस0आर0 पब्लिक स्कूल, सेठ एम0आर0 जयपुरिया, जीवन ज्योति चन्द्रकमल एकेडमी व आस-पास के विद्यालयों के चालकों/

परिचालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। शिविर में उपस्थित समस्त चालकों/परिचालकों के स्वास्थ्य, नेत्र एवम् मधुमेह (सुगर) की जाँच डॉ0 श्रवण कुमार, नेत्र परीक्षण अधिकारी ज्योति, लैब टैक्नीशियन कृष्ण कन्हैया द्वारा की गयी। उक्त कार्यक्रम में राजेश कुमार,ल सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम दल जनपद-जालौन, एस0आर0 पब्लिक स्कूल के प्रबन्धक अशोक कुमार राठौर, प्रिंसिपल रश्मि शुक्ला, गुड सेमेरिटन से सम्मानित समाज सेवी अलीम सर, बीर बहादुर सिंह (टी0आई0) की अहम भूमिका रही। राजेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम दल जनपद-जालौन द्वारा शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं व समस्त लोगों को सुरक्षित परिवहन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरुक किया गया तथा सभी से अपील की गयी कि वह वाहन चलाते समय हेलमेट/सीटेबेल्ट का प्रयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलायें व वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, ओवर स्पीड में वाहन न चलायें, दुघर्टना में घायलों की सहायता करें, क्षमता से अधिक माल व सवारियाँ न ढ़ोयें। साथ ही यह भी जानकारी दी गयी कि वाहनों को अपनी लाइन पर संचालित करने तथा वाहन को रोकते समय साइड इण्डीकेटर का प्रयोग कर सुरक्षित स्थान पर यात्रियों को उतारने, अनधिकृत तरीके से वाहन को ढ़ाबों पर खड़ी न करने एवम् यात्रियों को यात्रियों को असुविधा न हो ध्यान में रखकर यात्रा करायें। अन्त में उपस्थित सभी जनों को धन्यवाद देते हुये व सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर मे ई – ऑफिस प्रणाली की हुई शुरुआत

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

मंडलायुक्त विमल दुबे ने कलेक्ट्रेट परिसर में ई-आफिस कक्ष का उच्चीकरण किया गया जिसका फीता काटकर सुभारम्भ किया। मंडलायुक्त ने कहा कि जनपद जालौन में ई-ऑफिस प्रणाली (पेपर लेस ऑफिस) की शुरुआत की है। %डिजिटल इंडिया% अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी के अंतर्गत आज ई-आफिस कक्ष का उच्चीकरण किया गया ई-ऑफिस प्रणाली के तहत कार्य किये

जा रहे हैं। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि ई-ऑफिस उ.प्र.शासन का एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो एन.आई.सी. के सॉफ्टवेर पर कार्य करता है। इस प्रणाली में पारंपरिक फाइलिंग प्रणाली की तुलना में अतिरिक्त लाभ हैं। ई-ऑफिस को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य कार्यालयों को पेपरलेस बनाते हुए शासकीय कार्यों को गति प्रदान करना है। ई-ऑफिस में किसी भी समय पत्रों एवं फ़ाइलो पर कार्य किया जा सकता है। साथ ही ई-ऑफिस प्रणाली पेपरलेस होने के कारण पर्यावरणनुकूल भी है और सभी प्रपत्रों के ऑनलाइन होने के कारण उनके गायब होने अथवा किसी अन्य प्रकार की त्रुटि होने की आशंका समाप्त हो जायेगी। सारे कागजात क्लाउड पर सुरक्षित रहते हैं। अधिकारी तथा कर्मचारी ई-फाइल पर डिजिटल रूप में हस्ताक्षर करते है। ई-ऑफिस प्रणाली में अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही को पारदर्शी तरीके से तय किया जा सकेगा। ई-ऑफिस में अगर कोई फाइल आती है तो उसका नोटिफिकेशन सम्बंधित को मिल जाता है। तय समय के अंतर्गत उस फाइल का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक किया जाता हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अतुल कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद सिंह आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे

कार की टक्कर से गर्भवती मां और एक साल की बेटी की मौत, बाइक सवार रिश्तेदार घायल

शाहजहांपुर के जैतीपुर थाना क्षेत्र में कार की टक्कर से गर्भवती महिला और उनकी बेटी की मौत हो गई। महिला अपनी बीमार

बेटी को दवा दिलाने रिश्तेदार के साथ बाइक से जा रही थी। हादसे में रिश्तेदार घायल हुआ है। शाहजहांपुर के जैतीपुर थाना क्षेत्र में रिश्तेदार महिला की बेटी को दवा दिलाने जाते समय युवक की बाइक को तेज रफ्तार बोलेरो से टक्कर लग गई। इससे बाइक पर सवार गर्भवती महिला सायरा व उनकी एक साल की बेटी अनायरा की मौत हो गई। बाइक सवार युवक घायल हो गया। हादसे के बाद चालक कार समेत मौके से भाग गया। जानकारी के मुताबिक सायरा गांव बझेड़ा भगवानपुर में अपने मायके आई थी। यहां उनकी बेटी की तबीयत खराब हो गई। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे सायरा अपनी बेटी को लेकर बहनोई कल्लू के साथ बाइक से दवा दिलाने जा रही थीं। रास्ते में जैतीपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो कार ने बाइक को टक्कर लग गई। टक्कर लगने से तीनों सड़क पर गिर गए। महिला को रौंदते हुए कार निकल गई। लोगों ने बाइक से काफी दूर तक पीछा किया, लेकिन कार चालक भागने में सफल रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने सायरा और अनायरा को सीएचसी में भर्ती कराया। यहां से दोनों को बरेली के लिए रेफर कर दिया। रास्ते में मां-बेटी ने दम तोड़ दिया। सीओ अमित चौरसिया ने बताया कि तहरीर आने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

गोंडा में डायरिया से दो सगी बहनों के साथ ही एक चचेरे भाई की मौत, छह बीमार, परिवार में मचा हड़कंप

गोंडा जिले के इटियाथोक के एक गांव में जन्मदिन समारोह में खाना खाने के बाद दूसरे दिन बच्चों की तबीयत खराब हो गई। सिलसिलेवार तीन मौतों से हाहाकार मच गया है।गोंडा के एक गांव में जन्मदिन की खुशियां मातम में बदल गईं। इटियाथोक क्षेत्र के विशुनपुर संगम मधईजोत बहनों के साथ चचेरे भाई परिवार के अन्य छह लोग सीएचसी में भर्ती कराया मासूम बच्चों की हाहाकार मच गया। का आयोजन था, जिसमें बाद उनकी तबीयत एक तीन बच्चों की मौत सूचना पर स्वास्थ्य पहुंचकर छिड़काव ब्लॉक प्रमुख पूनम परिवार के लोगों से भरोसा दिलाया।परिवार तिवारी ने बताया कि शिवा तिवारी (2) का

में डायरिया फैलने से दो सगी की मौत हो गई, जबकि बीमार हो गए हैं। उन्हें गया है। परिवार के तीन सिलसिलेवार हुई मौत से बच्चे के जन्मदिन पर भोज सभी ने भोजन किया। इसके बिगड़ गई और एक के बाद हो गई। डायरिया से मौत की विभाग की टीम ने गांव में कराया है। इटियाथोक द्विवेदी ने भी गांव में पहुंचकर जानकारी ली और मदद का के मुखिया काली प्रसाद उनके पौत्र और प्रिंस के बेटे 06 सितंबर को जन्मदिन था। घर में कथा के बाद शाम को भोज का आयोजन था जिसमें परिवार के लोगों के साथ ही रिश्तेदार व संबंधी भी शामिल थे। भोज के बाद रात में सभी लोग सो गए। दूसरे दिन 07 सितंबर को पौत्र शिवा की तबीयत अचानक बिगड़ गई, उसे उल्टी-दस्त शुरू हो गई। उसे गोंडा मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे, वहां पहुंचने से पहले रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शिवा का अंतिम संस्कार कर दिया गया। अगले दिन 08 सितंबर को प्रिंस के बड़े भाई मनीष तिवारी की 25 दिन की दुधमुंही बेटी मुन्नी की भी तबीयत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया।मौत का सिलसिला यहीं नहीं थमा। सोमवार को मनीष की बड़ी बेटी पल्लवी तिवारी (7) की तबीयत बिगड़ने पर गोंडा ले गए, जहां उल्टी-दस्त के बाद उसकी भी मौत हो गई। जबकि परिवार के छह लोग और बीमार हो गए। डायरिया से मौत की सूचना पर इटियाथोक ब्लॉक प्रमुख पूनम द्विवेदी ने गांव में पहुंचकर परिवार का हाल जाना और सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुनील पासवान के साथ-साथ सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा को सूचना दी। इसके बाद गांव में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डायरिया से पीड़ित सुनीता (40), अमन (22), दीपशिखा (19), अनीता (24) मुस्कान (30) व आदर्श (32) को सीएचसी भिजवाया। जहां सभी का इलाज चल रहा है। गांव में डायरिया फैलने की सूचना पर सफाईकर्मियों को लगाया गया है।

राजेपुर विकास खंड में तीन महीनों का कुपोषित, गर्भवती महिलाओं के राशन पर पड़ता दिख रहा डांका

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। सी डी पी ओ, पूर्ति निरीक्षक एक दूसरे के पाले में गेंद डालते हुए आए नजर वहीं जिला परियोजना अधिकारी से जब इस गोलमाल के संबध में बात की तो उन्होंने इस मामले में अनभिज्ञ होना बताया ओर कहा सी डी पी ओ से रिपोर्ट मांगेगे यदि मामला सत्य पाया जाता है तो संबंधित पर होगी कठोर कार्यवाही वहीं इस मामले में बोले जिला पूर्ति अधिकारी कि मामला संज्ञान में है पिछले तीन महीनों का ओर अभी आया तीन महीनों का राशन एक साथ आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को कोटेदार द्वारा सूचित करवाकर लाभार्थियों को कराया जाएगा वितरण नौनिहालों, गर्भवती महिलाओं को सरकार द्वारा भेजे गए राशन पर पूर्ति विभाग, वाल पुष्टाहार विभाग ने मिलकर किया घोटाला जिससे सरकार की कुपोषण मुक्त प्रदेश करने की महत्वाकांक्षी योजना की जड़ों में साफ तौर पर भ्रष्टाचार रूपी दीमक लग चुका है। बताते चलें घोटाले का जिन्न राजेपुर विकास खंड में महिला एवं वाल पुष्टाहार विभाग से कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिलने वाले राशन को निगल गया है। पिछले तीन महीनों जनवरी से लेकर मार्च तक का चावल जो आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को दिया जाना था वो आज तक लाभार्थियों को प्राप्त नहीं करवाया गया है। मामले की जानकारी जब अमृतपुर पूर्ति निरीक्षक अमित चौधरी ने पूरी तरह से गेंद वाल पुष्टाहार विभाग के पाले में डाल कर इति श्री कर ली पूर्ति निरीक्षक अमित चौधरी ने इस बात को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने सिथिलता बरती है। पूर्ति निरीक्षक अमित चौधरी का कहना है इस योजना के लाभार्थियों को राशन कोटेदारों द्वारा वितरित करना था योजना के अनुसार लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हे एक सिल्प देती हैं जिस शिल्प को देखकर कोटेदार लाभार्थी को उसके हिस्से का मिलने वाला राशन उपलब्ध करवा देता जब तक कोटेदार को लाभार्थी शिल्प नहीं देगा कोटेदार लाभार्थी को राशन नहीं देता है। जब आंगनबाड़ी कार्यकत्री ही आगे नहीं आना चाहतीं तो इसमें पूर्ति विभाग क्या कर सकता है। वहीं दूसरी तरफ वाल पुष्टाहार विभाग राजेपुर सी डी पी ओ द्वारा गेंद पूर्ति विभाग के पाले में डाल दी सी डी पी ओ नवीन चन्द्र के अनुसार मामला पूरी तरह से मेरे संज्ञान में है मैने कार्यकत्रियों की कई मीटिंग में ये बात रखी ओर कार्यकत्रियों से रिपोर्ट भी तलब की तो लगभग चालीस प्रतिशत कार्यकत्रियों ने अपनी रिपोर्ट दी है वहां के कोटेदारों ने लाभार्थियों को राशन उपलब्ध कराया है। बाकी बची साठ प्रतिशत कार्यकत्रियों ने बताया कि कोटेदार लाभार्थी को राशन उपलब्ध नहीं करवा रहे हैं। जिसकी वाल पुष्टाहार विभाग ने विधिवत ग्राम पंचायत वार अपने प्रपत्र भी तैयार कर लिए। सी डी पी ओ नवीन चन्द्र द्वारा बताया गया कि इन गांवों में अभी तक राशन उपलब्ध नहीं कराया गया है उनके अनुसार, भरखा, पट्टी दारापुर, चाचूपुर जटपुरा, दाढ़ीपुर, वदनपुर, कनकापुर,अंबरपुर, गोटिया पूर्वी, करनपुर दत्त सभी आगनवाड़ी, अलाहपुर, भटौली, कोला सोता, लभेड़ा, खाखिन, रतनपुर पमारन, हीरानगर,गुड़ेरा,अमैयापुर पूर्वी,अमैयापुर पश्चिमी, कड़क्का, इमादपुर पमारन, इमादपुर पमारन 2, दौलतपुर चकई,भाऊपुर चौरासी,नगरिया जवाहर, राजेपुर राठौर सभी आंगनवाड़ी, कुसुमापुर,गाजीपुर, डबरी, ऊजरा मऊ, सभीआंगनबाड़ी, हमीरपुर जो बंद है उसका भी नहीं,कमलुद्दीनपुर दोनों, भुसेरा एक, खंडौली दोनों, आदि गांवों में अभी तक नहीं मिला। इस संबंध में जिला परियोजना अधिकारी से बात की तो उन्होंने बताया मामला अभी मेरे संज्ञान में नहीं है इस मामले में सी डी पी ओ राजेपुर से जानकारी कर रिपोर्ट मांगकर इसमें यदि विभाग का कोई अधिकारी, कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिला पूर्ति अधिकारी से जब लोक भारती की टीम ने इस मामले में बात की तो उन्होंने बताया कि चावल कोटेदारों के पास स्टॉक में उपलब्ध है ओर जैसे ही इस महीने के राशन का वितरण समाप्त होता है, उसके बाद आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को कोटेदार द्वारा सूचित करवा दिया जायेगा पिछले तीन महीनों का अभी जो तीन महीनों का राशन आया उसका भी एक साथ वितरण करवा दिया जायेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नगर की बड़ी संख्या मे गांठ बंधवाने पहुँच रही है महिलाएं

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

सुबह से लेकर देर शाम तक मन्दिर पर रहती है भारी भीड़ चौदह सितम्बर दिन शनिवार को निकलेगी विदाई की शोभायात्रा

कोंच(जालौन) हर तीसरी साल लगने वाली मां हुल्का देवी की बड़ी पूजा को लेकर नगर की कोने कोने से महिलाएं लाला हरदोल मन्दिर मालवीय नगर मे बड़ी संख्या मे पहुँच रही है इस मन्दिर पर सुबह से लेकर शाम तक महिलाओ की गांठ बंधाई की रस्मे अदा करने का सिल सिला बड़ी तेजी से चल रहा है मन्दिर मे कमेटी के लोग और बड़ी संख्या मे भक्त लोग भी दर्शन करने पहुँच रहे है महिलाएं पान बताशा चावल गुड और दक्षिणा दें रही है और माँ से आर्शीवाद ले रही है मन्दिर परिसर मे दिन रात भजन कीर्तिन और अक्षरी गायी जा रही है मन्दिर पर बड़ी संख्या मे मेला लगा है

गणेश महोत्सव मे श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच – शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/पारा । नगर की धन्य धरा पर पारा का राजा श्री गणेश पंडाल बस स्टैंड पारा पर श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जा रहा है । जिसमे प्रति दिन आरती के पश्चात समिति द्वारा किये

विभिन्न आयोजन जा रहे है । इसी क्रम मे श्री सार्वजनिक गणेश मंडल ,श्री रामायण मंडल व श्री नवदुर्गा महोत्सव समिति पारा के तत्वाधान मे दिनांक 12 सितंबर 2024 से दिनांक 16 सितंबर 2024 तक पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जारहा है । जिसमे पण्डित श्री मयंक शर्मा के मुखारविंद से श्री शिव महापुराण कथा का संगीत मयी वाचन किया जावेगा । कथा प्रतिदिन रात्रि ८–०० बजे से होगी । समिति ने सभी धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन शिव महापुराण कथा में सपरिवार अधिक से अधिक संख्या मे पहुच कर कथा का धर्म लाभ लेने की अपील की है ।।

कलेक्ट्रेट और तहसीलों में जल्द लागू होगी ई ऑफिस व्यवस्था।

मुरादाबाद- जिले में कलेक्ट्रेट एवं सभी तहसीलों में जल्द ही ई ऑफिस व्यवस्था प्रभावी कर दी जाएगी। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ई ऑफिस व्यवस्था को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि जल्द ही ई मेल आईडी और डिजिटल हस्ताक्षर जारी कराने सहित सभी कार्यवाहियां यथाशीघ्र पूर्ण हो जानी चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा ई ऑफिस व्यवस्था को सख्ती से लागू कराने के निर्देश हैं। कलेक्ट्रेट में स्थित विभिन्न पटलों पर कार्यरत कार्मिकों को ई ऑफिस के माध्यम से कार्य करने के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा। ई ऑफिस के प्रभावी होने से फाइलों के निस्तारण में समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। इस दौरान एडीएम प्रशासन श्री गुलाब चंद्र, एडीएम न्यायिक श्री शशि भूषण, सिटी मजिस्ट्रेट सुश्री किंशुक श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

नगर पालिका की ओर से चलवाई गई फागिंग मशीन

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता और ई ओ पवन किशोर मौर्य के निर्देश पर सफाई निरीक्षक हरिशंकर निरंजन और राजस्व निरीक्षक सुनील कुमार यादव की देखरेख मे नगर के मोहल्ला जय प्रकाश नगर प्रताप नगर सुभाष नगर लाजपत नगर आदि जगहो पर बढ़ रहे मच्छरों की रोकथाम के लिये फागिंग मशीन चलवाने का कार्य किया इस फागिंग मशीन के चलने से नगर मे मच्छरों की संख्या कम हो जायेगी और मच्छरो से फेलने वाले मलेरिया फ़ाय लेरिया चिकिन गुनिया और डेंगू आदि रोग पर अंकुश लगने की सम्भावनाये है

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

इको गाड़ी और स्कूल बस की भिड़ंत

क्यूँ न लिखूँ सच -संतोष कुमार

अलीगढ़ हाथरस में आगरा अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर जोगिया बाईपास के निकट इको गाड़ी और स्कूल बस में जोरदार आमने-सामने भिड़ंत हो गई इस दुर्घटना में एक महिला सहित दो की मौके पर मौत हो गई और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर अफरा तफरी मच गई सूचना पर पुलिस पहुंच गई और लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई पुलिस ने दोनों मृतकों के सबों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है आगरा के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बोदला नारायण नगर के कुछ लोग आज एक इको गाड़ी में सवार होकर अलीगढ़ के कासिमपुर पावर हाउस कि निकट गांव रामपुर में एक गमी में गए थे यह सभी लोग आज जब वापस आगरा लौट रहे थे तो आगरा अलीगढ़ हाईवे पर जोगिया बाईपास के निकट सामने से आ रही स्कूल बस इनकी इको गाड़ी से टकरा गई इस दुर्घटना में उषा(55) पत्नी अशोक कुमार और 35 वर्षीय विमल पुत्र सुरेश निवासीगढ़ नारायण नगर बोड़ला आगरा की मौके पर मौत हो गई इसके अलावा मुन्नीदेवी, सर्वेश, सुरेश पवन और जितेंद्र निवासी गढ़ आगरा गंभीर रूप से घायल हो गए

भारतीय किसान यूनियन ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन) भारतीय किसान यूनियन ने आज तहसीलदार वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता को एक ज्ञापन दिया इस ज्ञापन मे अवगत कराया गया है की सम्पूर्ण तहसील मे जल भराव से लगभग अस्सी प्रतिशत से ज्यादा फसलो का नुकसान है अतः सभी किसानो को शासन से मुआबजा तथा बीमा कम्पनी से फ़सल बीमा शीघ्र दिलाया जाए कोंच से भेंड़ तक रोड के दोनो साइट मे खंती साफ कराई जाए तथा बन्द खंती खुलवाई जाए पचीपुरा से छानी रोड पर बम्बा की पुलिया टूटी है इसे जल्द बनवाई जाये तहसील के अधिकांश गाँवो मे अन्ना व पालतू जानबरो से किसानो की फ़सल बचाने के लिये ठोस कदम उठाये जाए तथा प्रशासन द्वारा मुनादी कराई जाये जिससे जानबरो पर कन्ट्रोल हो सके जैसे की पचीपुरा कलां गोरा कुँवर पूरा बदउवा आदि है कुदरा माइनर की खुदाई कराई जावे ग्राम सिमिरिया मे ढाई सो के वी ए का ट्रांसफार्मर लगाया जाये क्यो की सो केवीए का बार बार फुंक रहा है कई गाँवो मे ट्यूबेल खराब है उनको जल्द ठीक करा या जाये जैसे ग्राम दिरावटी मे स्टार्टर खराब है बरोदा मे ट्रांसफार्मर खराब है ग्राम मनोरी मे प्राथमिक विद्यालय के उपर ग्यारह हजार बोल्ट की लाइन के तार नीचे है और वह झूल रहे है एक पोल लगाकर ठीक किये जाए ताकि कोई दुर्घटना न हो सके छानी व पचीपुरा कलां के बम्बा की खुदाई जरूरी है मलन्गा नाला व बम्बा दोनो की खुदाई कराई जाए ग्राम परेथा मे मेन रोड से परेथा तक लगभग पांच सो मीटर लिंक रोड खराब हो गया है इसे जल्द बनबाया जाये ग्राम सिवनी बुजुर्ग मे लगभग डेढ़ सो से ज्यादा अन्ना जानबर फसलों को बर्बाद कर रहे है जल्द सिवनी बुजुर्ग मे गोशाला बनबाई जाए ग्राम सिवनी के धनोरी माता मँदिर से चित्तरपुरा तक खुदाई व सफाई की जाए जरा माइनर पजोनिया माइनर व कुटी बम्बा पर बड़े बड़े ट्रोल हटाकर छोटे लगवाए जावे सभी गरीब किसानो को प्रधान मंत्री आवास प्रदान किये जाये इस अवसर पर अध्यक्षा चतुर सिंह पटेल महासचिव डा पीडी निरंजन सहित कई यूनियन से जुड़े लोग मौजूद रहे

जनपद उपाध्यक्ष शिव बालक यादव ने प्राथमिक शाला मसनकी का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

ओडगी।। इन दिनों जनपद पंचायत उपाध्यक्ष शिव बालक यादव क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं वही क्षेत्रवासियों के समस्या से रूबरू हो रहे हैं जिसमें बहुत समस्या का निराकरण तत्काल भी किया जा रहा हैं इस दौरान क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्होंने प्राथमिक शाला मसनकी में स्कूल शिक्षा व्यवस्था के बारे में देखने गए और वहां मौजूद शिक्षक चंद्रु से जानकारी ली की यहां जब 2 शिक्षक पदस्थ हैं तो एक शिक्षक नदारत कैसे है तो जवाब में मौजूद शिक्षक ने बोला सर मैं यहां परीक्षा अवधी के समय से अटैच में यहां आया हूं , मुझे विकास खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा यहां पर अटैच किया गया है जबकि परीक्षा अवधी के समय अटैच करना नियम के खिलाफ़ है। यह पूरा माजरा ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर पर स्थित ग्राम पंचायत मसनकी में संचालित प्राथमिक शाला का है जहा पर 1 शिक्षक अटैच तो वही दूसरे शिक्षक जैल सिंह को दो प्रभार विभाग ने सौंपा है, अभी वर्तमान में जैल सिंह बालक छात्रवास हॉस्टल ओड़गी के अधीक्षक के पद में भी है और इनका मूल पदस्थापना प्राथमिक शाला मसनकी में है। इस विषय पर जनपद उपाध्यक्ष श्री यादव ने बीईओ ओड़गी से संपर्क साधा तो उनका फोन नही लगा।।

डूब प्रभावित खाल खांडवी में कलेक्टर ने किया दौरा

संवेदनशील होकर राहत शिविर लगाकर प्रतिस्थापन के कार्य करें- कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच-शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ । कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मेघनगर क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण खाल खांडवी ग्राम में तालाब की पाल टूटने से हुए नुकसान का जायज़ा लिया गया । कलेक्टर द्वारा डूब प्रभावित क्षेत्र के घरों का निरीक्षण किया , पानी के कारण प्रभावित घरों में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं होना पाना गया , समस्त डूब प्रभावित घरों में होने वाले नुकसान का आरबी सी 6 4 प्रकरण के माध्यम से मुआवजा प्रकरण 3 दिवस के भीतर स्वीकृत करने हेतु निर्देशित किया , इसी के साथ एसडीएम मेघनगर को राहत शिविर लगाया जाकर समस्त प्रभावित लोगों के भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था नजदीकी स्कूल एवं पंचायत भवन में किए जाने हेतु निर्देशित किया। इसी के साथ समस्त जमीनी अमले की तैनाती हेतु मुस्तैदी के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया जिसके कि किसी भी प्रकार की जनहानि ना हो । आज अतिवृष्टि होने से इंदौर से एसडीईआरफ की एक टुकड़ी बुलवाई गई है , जिसकी तैनाती विकेंद्रीकृत कर समस्त अनुविभाग स्तर पर की गई है जिससे रिस्पॉन्स टाइम कम रहे। आज सुबह से हो रही बारिश को देखते हुए जिले में जनहानि का एक भी केस रिपोर्ट नहीं हुई हैं।

जिले में अवैध क्लीनिकों के विरुद्ध चलेगा अभियान, डीएम ने दिए निर्देश।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले के क्लीनिकों पर शासकीय मानकों का सख्ती से अनुपालन कराने के निर्देश

जिले में संचालित अवैध क्लीनिकों के विरुद्ध व्यापक स्तर पर कार्यवाही करने के लिए प्रशासनिक स्तर से कवायद शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने सीएमओ डॉ0 कुलदीप सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करके विस्तृत दिशा निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें औचक रूप से क्लीनिकों पर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत निर्धारित मानकों के और कमियों व कार्यवाही के बारे में विस्तृत निरीक्षण के दौरान सील किए गए अवैध संचालन की अनुमति से पूर्व ही अवैध विरुद्ध अनिवार्य रूप से मुकदमा पंजीकृत संचालन के लिए निर्धारित मानकों के के बारे में सख्ती से निरीक्षण होना चाहिए। जिलाधिकारी ने जिले में संचालित प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे सूची सार्वजनिक रूप से दर्शायी जाए साथ जिलाधिकारी ने पूर्व में सामुदायिक कमियों के बारे में कहा कि वार्डों में साफ बेहतर देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता

अनुपालन की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करेंगी रिपोर्ट उपलब्ध कराएंगी। नोडल अधिकारियों द्वारा क्लीनिकों के संचालकों द्वारा यदि नियमानुसार तरीके से पुनः संचालन शुरू किया जाता है तो उसके होगा। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा क्लीनिकों के अनुरूप चेकलिस्ट तैयार कर उनके अनुपालन की स्थिति इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। इस दौरान सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाइयों की उपलब्धता की ही परिसर में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। स्वास्थ्य केंद्र मूढ़ापांडे के निरीक्षण के दौरान पाई गई सफाई, स्टाफ की नियमित उपस्थिति तथा मरीजों की प्रदान की जाए। प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की भौतिक स्थिति को दुरुस्त कराने के संबंध में भी उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कमियों को चिन्हित किया जाए तथा उन कमियों को दूर कराने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में 1 अक्टूबर तक उपलब्ध होंगे संपत्ति रजिस्टर और मॉनीटरिंग रजिस्टर, मंडलायुक्त ने दिए निर्देश।

मंडलायुक्त मुरादाबाद मंडल श्री आञ्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में मंडलीय प्रशिक्षण एवं क्रियान्वयन समिति के द्वारा जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी) की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने उपनिदेशक पंचायत को निर्देशित किया कि मंडल की प्रत्येक ग्राम पंचायत में संपत्ति रजिस्टर और मॉनिटरिंग रजिस्टर प्रत्येक दशा में 01 अक्टूबर 2024 तक तैयार हो जाना चाहिए। ग्राम पंचायत के मॉनिटरिंग रजिस्टर में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के खुलने व बंद होने का समय, अध्यापकों की उपस्थिति और वीएचएसएनडी सत्र की जानकारी नियमित रूप से अंकित होनी चाहिए। ग्राम पंचायत संपत्ति रजिस्टर में पंचायत क्षेत्र की सरकारी संपत्तियों का विवरण दर्ज किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले बाजार पंचायती राज अथवा जिला पंचायत की अनुमति के बिना आयोजित नहीं होने चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य केंद्र जैसे महत्वपूर्ण स्थलों तक जाने वाले मार्ग किसी भी दशा में कच्चे नहीं रहने चाहिए। जर्जर पंचायत भवन और जर्जर विद्यालयों की सूची बनाकर उनका मूल्यांकन कराए जाने के बारे में भी उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त विकास, मुख्य विकास अधिकारी संभल, उपनिदेशक पंचायत, उपायुक्त विकास, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं अपर मुख्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

संक्षिप्त समाचार

दिन-दहाड़े चेन स्नेचिंग

क्यूँ न लिखूँ सच -संतोष कुमार

अलीगढ़ हाथरस में आज सुबह बदमाशों ने बीच बाजार में एक चेन स्नेचिंग की वरदाता को अंजाम दिया पैदल चलकर आया एक युवक एक मोबाइल फोन के विक्रेता के गले से तीन तोले

की सोने की चेन छीनकर भाग गया इस चैन में एक तोले का सोने का लॉकेट भी पड़ा हुआ था थोड़ी दूर पर जाकर यह बदमाश अपने एक साथी के साथ बाइक पर बैठकर वहां से भाग गया घटना के बाद पूरे बाजार में अफरा तफरी माहौल हो गया पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले को लेकर पूछताछ की शहर में सादाबाद गेट पर अशोक अरोड़ा की कम्युनिकेशन के नाम से मोबाइल फोन की आमने-सामने दो दुकान है आज सुबह 8-30 बजे करीब जब वह दुकान के बाहर कुर्सी डालकर अपने नाती के साथ बैठे हुए थे तभी एक युवक वहां पैदल चलकर आया और उसने उनसे यह कहा वह एक फोन का चार्जर खरीदना चाहता है अशोक अरोड़ा ने उनसे कहा वह अभी दुकान के लड़के को बुलाते हैं इसी दौरान इस युवक ने उनके गले में लटकी सोने की चेन पर झपट्टा मारा और छीनकर सामने गली में भाग गया गली बस स्टैंड पर जाकर खुलती है वहां इस बदमाश का एक दूसरा साथी खड़ा था और चैन को लेकर भाग गए पुलिस भी पहुंच गई पुलिस ने मामले को लेकर छानवीन की पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है 7

दाऊ जी मेले मे दो पहलवानो के बीच हुआ मुकाबला

क्यूँ न लिखूँ सच -संतोष कुमार

अलीगढ़ हाथरस के दाऊ जी मेले मे कल दंगल कमेटी ने दो पहलवानो के बीच मुकाबला कराया और जो दो पहलवान है कालू पहलवान, सिकंन्दराऊ, समीर पहलवान कोटा, दोनों पहलवानो के बीच बहुत अच्छा मुकवला रहा 7 दंगल कमेटी ने दोनों पहलवानो का अच्छे से सहयोग किया और मेले मे दंगल देखने को बहुत अच्छी खासी भीड़ जुटी और मेला कमेटी ने बहुत अच्छे से मेले कि व्यवस्था बना राखी है हर साल कि अपेछा इस साल बहुत ही अच्छी भीड़ भाड़ है

रेलवे फाटक के पास मिला सिपाही का शव, अलीगढ़ में थी तैनाती

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ राया थाना क्षेत्र की रिपोर्टिंग चौकी बिचपुरी में रेलवे फाटक के पास सिपाही का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस और परिजन मौके पर पहुंच गए। प्रथम दृष्टया मामला किसी वाहन की चपेट में आकर मौत होना प्रतीत हो रहा है। रिपोर्टिंग चौकी क्षेत्र के गांव सरूपा निवासी नवल सिंह (30) पुत्र विरजन सिंह अलीगढ़ में आर्मी की एनसीसी कोर मैं में सिपाही सिपाही के के पद पर तैनात थे रात घर आए। सोमवार को ड्यूटी पर जाना था। इससे पहले प्रातः पांच बजे के करीब घर से टहलने के लिए निकले, लेकिन काफी देर तक लौटकर नहीं आए। परिजनों को चिंता हुई, इधर किसी ने पुलिस को सूचना दी कि बिचपुरी रेलवे फाटक के पास एक शव पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंच गई। शिनाख्त होने पर उसके परिजन को भी बुला लिया।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

OWN STATE

www.knlslive.com

11 September 2024

तालाब में डूबकर चार बालिकाओं की मौत, एक ही गांव में चार मौतों से पसरा मातम, सीएम योगी ने जताया शोक

तीन बालिकाओं की तालाब में डूबने से मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक बालिका को ग्राम प्रधान की मदद से अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुंचते ही उसकी भी मौत हो गई।बहराइच के नवाबगंज थाना क्षेत्र के सतीजोर गांव बालिकाओं की मौत हो गई। तालाब से बरामद कर लिए के लिए भेज दिया है। से हुई जनहानि पर गहरा शोक परिजनों को अनुमन्य राहत निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने के प्रति संवेदना व्यक्त की पंचायत सतीजोर में तालाब फूल लगा हुआ है जिसे तोड़ने महक (14) पुत्री कालीन लगी। इसी दौरान महक को इशरत, साइबा (10) पुत्री मकबूल खां भी डूब बालिकाओं की मौके पर ही ग्राम प्रधान और अन्य की

में स्थित तालाब में डूबकर चार इससे हड़कंप मच गया। सभी के शव गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना व्यक्त किया है। उन्होंने दिवगंतो के राशि तत्काल वितरित किए जाने के मृतक बच्चियों के शोक संतप्त परिजनों है।नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम स्थित है। इस समय तालाब में बेली के लिए मंगलवार को गांव निवासी खान गई तो महक तालाब में डूबने बचाने के लिए सामिया (10) पुत्री मेराज और सरिकुल खातून (13) गई।तालाब में डूबने से तीन मौत हो गई। जबकि एक बालिका को मदद से अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी भी अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। चार बालिकाओं की तालाब में डूबकर मौत हुई है। एक ही गांव में चार मौत से मातम छा गया है। एसडीएम अश्विनी कुमार पांडेय और थानाध्यक्ष शीला यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है।

नगरपालिका शामली सफाई कर्मचारियों यूनियन के चुनाव में अध्यक्ष पद सुनीता वाल्मीकि और महासचिव पद के लिए अरुण झंझोट के लिए अपील

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।- मोहल्ला पंसारियान वाल्मिकी कॉलोनी में एक बैठक सफाई कर्मचारियों की एवं वाल्मीकि समाज के लोगों की आयोजित की बैठक की अध्यक्षता नंदू प्रसाद वाल्मीकि ने की संचालन मुकेश कुमार ने किया जिसमें समाज के लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय बाल्मीकि समाज प्रतिनिधि

मंच के अध्यक्ष अरविंद झंझोट ने कहां की आज सफाई कर्मचारियों का खुला उत्पीड़न हो रहा है आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को कम वेतन दिया जा रहा है जिसमें सफाई मजदूर वर्ग अपने घर की जीविका चलाने में असमर्थ है और बच्चों को शिक्षा महंगी होने के कारण शिक्षा भी नहीं दिला पा रहे हैं ठेके व्यवस्था के सफाई कर्मचारियों को सेवा से हटा करके अन्य लोगों को सामाजिक कर लिया जाता है और इन अस्थाई सफाई कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जाता है और कई संविदा सफाई कर्मचारी एवं ठेके व्यवस्था की सफाई कर्मचारी मृत्यु उपरांत श्रमिक बीमा तक भी नहीं मिल पाया है और केई सफाई कर्मचारीयो को दुर्घटना बीमा तक नहीं मिल पाया और नहीं जीवन बीमा मिल पाया है संविदा सफाई कर्मचारी एवं ठेके व्यवस्था की सफाई कर्मचारी के हितों के लिए जो शामली पालिका में अध्यक्ष पद एवं महासचिव पद के लिए चुनाव होगा उसके लिए अरविंद झंझोट ने प्रधान पद के लिए सुनीता वाल्मीकि महासचिव पद के लिए अरुण झंझोट को अपना मत देकर विजय श्री दिलाने की अपील की और सफाई कर्मचारियों के हितों के लिए उनकी समस्याओं को पूरी मजबूती के साथ शामली पालिका का अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी के समक्ष रखी जाएगी और ठेके व्यवस्था की सफाई कर्मचारी एवं संविदा सफाई कर्मचारीयो के एवं वाल्मीकि समाज के हितों के लिए कार्य किया जाएगा उत्त अवसर पर नंदू प्रसाद वाल्मीकि सोनू लीडला विनोद पहीवाल राजकुमार वाल्मीकि अनिल वाल्मीकि राकेश वाल्मीकि शिवम कुमार नितिन कुमार अरुण झंझोट सुनीता वाल्मीकि प्रत्याशी नगर पालिका परिषद सफाई कर्मचारी जनपद शामली सिलेक् चंद बंटी वाल्मीकि राजू वाल्मीकि मुकेश वाल्मीकि नितिन कुमार विनीत कुमार राकेश कुमार वाल्मीकि करतार सिंह सुनीता वाल्मीकि मुनेश देवी गीता देवी देवी आदि शामिल रहे।

सोनवा थाने में चल रहा है निश्चित कालीन धरना हुआ किसानों को मिली बड़ी सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद कुमार यादव

विकासखंड गिलौला के अंतर्गत थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती के भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का 3 सितंबर से 10 सितंबर तक अनिश्चितकालीन धरना को पुलिस व विद्युत विभाग के कर्मचारियों की कार्यवाही व कार्य शैली को देखते हुए आक्रोशित किसानों ने 8 दिन लगातार धरना प्रदर्शन किया संबंधित अधिकारियों से संतोष जनक वार्ता ना होने के कारण जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी युवा जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार वर्मा जिला प्रवक्ता पवन कुमार वर्मा जिला कार्यकारिणी की बैठक में एक निर्णय लिया गया कि जब तक हम चक्का जाम नहीं करेंगे तब तक अधिकारी तक हमारी आवाज नहीं पहुंचेगी और हमारी समस्या का समाधान नहीं होगा रोड जाम की बात को लेकर संबंधित अधिकारियों ने भारतीय किसान यूनियन श्रावस्ती के मांग पत्र पर संतोषजनक वार्ता की और धरने का समापन कर दिया गया किसने की समस्याओं का समाधान होते ही किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर दिखाई पड़ी किसानो की फसल नुकसान का विद्युत विभाग के ठेकेदार ने किसानों को ?22000 देकर मामले को खत्म किया और बताया कि जब तक फसल नहीं कट जाएगी तब तक हम अपने कार्य को रोक देंगे अनिश्चितकालीन धरना जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी युवा जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार वर्मा जिला प्रवक्ता पवन कुमार वर्मा की कुशल निर्देशन में समस्या का समाधान न होने तक शांतिपूर्वक धरना चलाया गया

आज भी प्रिया मिश्रा नहीं पहुंची हैं सोहर्वा आयूष औषधालय केन्द्र में आखिर क्या है वजह?

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

जिला कार्यालय में मीटिंग का बनाती हैं बहाना 6 महीने से नही आयी है दवा क्या सरकार के द्वारा नहीं दी जाती है सोहर्वा आयूष औषधालय के लिए दवा ग्राम पंचायत सोहर्वा में स्थित आयूष औषधालय में नहीं उपस्थित रहते है पदस्त कर्मचारी जिससे कि यहां मरीजों को बड़ी दिक्कत होती है जो कि यहां पदस्त कर्मचारियों का नाम निम्न है प्रिया मिश्रा ,बेलाकली सिंह,प्रभाकर सिंह , जिसमें ना तो बेलाकली सिंह उपस्थित थीं और ना ही प्रिया मिश्रा वैसे तो प्रिया मिश्रा की तो ये दिनचर्या बन चुकी है की महीने में तीन दिन आने की और पूरे महीने की साइन की जाती है और अगर कोई पत्रकार या ग्रामीण लोग कुछ बोले तो अपने आप को राजेन्द्र शुक्ला के करीबी बताती हैं तो आखिर क्या बात है कि आयूष औषधालय के कर्मचारी ,राजेन्द्र शुक्ला के नाम का गलत दुरुपयोग करते हैं और शिक्षा विभाग के कर्मचारी जैसे मास्टर वो त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी का नाम बताते है कि हम उनके आदमी हैं तो क्या नेताओं का नाम बता करके त्योंथर क्षेत्र के कर्मचारी कब तक भ्रष्टाचार मे लिप्त रहेंगे आखिर देश को सुधारने का भाषण देने वाले नेताओ के इस कारनामें से क्या देश सुधरेगा या फिर नेताओ के नाम का दुरुपयोग करते है त्योंथर के कर्मचारी या फिर किसी का हांथ है कर्मचारियों के ऊपर आज आप को बता दें कि आयूष औषधालय केन्द्र सोहर्वा मे उपस्थित प्रिया मिश्रा के लापरवाही के वजह से प्रभाकर सिंह एवं अन्य कर्मचारी रजिस्टर में साइन नहीं कर पाते है आखिर क्या है वजह कि यहां इतनी लापरवाही क्यों होती है और क्या है वजह की प्रिया मिश्रा अपने कर्मचारियों से छिपाती हैं रजिस्टर कियों नहीं साइन कर पाते डेली रजिस्टर में कर्मचारी आखिर क्या है वजह

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं/ बालिकाओं/को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद कुमार यादव

श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के कुशल निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति (शक्ति दीदी) अभियान में बच्चियों/महिलाओं के विरुद्ध छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न व साइबर हिंसा जैसे अप्रिय घटनाओं की रोकथाम हेतु महिला बीट पुलिस अधिकारियों / मिशन शक्ति / शक्ति मोबाइल (शक्ति दीदी) टीम द्वारा महिलाओं/ बालिकाओं को सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर

बनाने हेतु बनाए गए कानून एवं नियमों के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाएं जैसें वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि की भी जानकारी दी गई। शक्ति दीदी द्वारा 06 से 08 वर्ष के बच्चों को गुड टच व बैड टच के बारे में बताते देते हुए बाल यौन हिंसा व बाल यौन शोषण के बारे में जानकारी दी गयी तथा महिलाओं / बालिकाओं को प्रेरित करते हुए सामाजिक, आर्थिक,राजनीतिक, विज्ञान, खेल आदि क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने व कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही साथ सेल्फ डिफेंस व हेल्पलाइन नंबर- वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्प लाइन नंबर-181, चिकित्सीय सहायता हेतु-108 पुलिस कंट्रोल नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध-1930 के साथ साथ यातायात नियमों आदि के बारे में भी जानकारी दी गयी व पिंक कार्ड भी वितरित किये तथा यह भी बताया गया की यदि किसी प्रकार की समस्या होती है या कहीं आने-जाने पर कोई अंजान व्यक्ति परेशान करता है तो हेल्पलाइन नंबरों पर फोन कर सहायता प्राप्त की जा सकती है, फोन करने वाली महिलाओं/ बच्चियों का नाम पता गोपनीय रखा जाता है शक्ति मोबाइल टीम में तैनात म0आ0 सुषमा सिंह, म0आ0 अर्जिता, म0आ0 सरिता जायसवाल ने थाना क्षेत्र नवीन मार्डन अंतर्गत ग्राम लंगुइया, भगवानपुर व कटरा, म0आ0 प्रीती व संतोषी ने ग्राम शिव बालक पुरवा आदि ने महिलाओं/बालिकाओं/आमजन को वीमेन पॉवर लाइन 1090, साइबर अपराध व उनके अधिकार के लिए बनाए गए कानून व नियमों, साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई तथा पंपलेट का वितरण किया

संक्षिप्त समाचार

ज्ञापन न लेने पर किसानों ने बीडीओ के खिलाफ दिया धरना

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती । खण्ड विकास अधिकारी इकौना द्वारा किसानों की समस्याओं से सबंधित ज्ञापन न लेने से नाराज किसानों ने खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय गेट के सामने सड़क पर बैठ कर चक्का जाम कर दिया। इकौना बहराइच मार्ग जाम होने से घंटो तक लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। किसानों के चक्का जाम एवं नारेबाजी से पुलिस प्रशासन के भी पसीने छूटने लगे, जाम हटवाने के लिए पुलिस को भी घंटो तक मिन्नतें करना पड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिल सका। अपनी जिद पर अड़े किसानों को मनाने के लिए अन्ततः खण्ड विकास अधिकारी को आना पड़ा, जिन्हें किसानों ने जमीन पर बैठा कर अपनी समास्याओं से सम्बन्धित ज्ञापन सौंपा। जिसके बाद इकौना बहराइच मार्ग पर आवागमन बहाल हो सका।

डीएम ने जमीनों के स्टाम्प की जांच कर किया सत्यापन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने तहसील भिनगा अन्तर्गत ग्राम भिनगा देहात एवं राजापुररानी में मौके पर पहुंचकर बड़े मालियत वाली भूमि की स्टाम्प जांच किया और स्टाम्प का मिलान कर सत्यापन किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्टाम्प जाँच से सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसी भी दशा में स्टाम्प की चोरी कोई न करने पाये, इसके लिए समय-समय पर आकस्मिक जाँच कर मिलान अवश्य किया जाय। जांच के दौरान यदि स्टाम्प की कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित के

भिनगा देहात में स्टाम्प शुल्क का जांच करते डीएम अजय कुमार द्विवेदी।

विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी अमल में लायी जाय।इस दौरान उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, नायब तहसीलदार सहित राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राइवेट गाडी पर उत्तर प्रदेश सरकार लिख चला रहे गाडी सप्लाई इस्पेक्टर कायमगंज

क्यूँ न लिखूँ सच - अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/कायमगंज। तहसील में सप्लाई इस्पेक्टर अपनी निजी कार वालेनो में उत्तर प्रदेश सरकार लिख कर पावर का इस्तेमाल कर रहें 7 तहसील कायमगंज में तैनात सप्लाई इस्पेक्टर की गाड़ी संख्या क्र75स्न4333 है जो अपनी निजी गाड़ी में हूटर व उत्तर प्रदेश सरकार लिखे हुए है। जव इसकी जानकारी एसडीम कायमगंज से जाननी चाही तो उन्होंने बताया कि प्राइवेट गाडी पर कोई भी अधिकारी न हूटर लगा सकता है न ही उत्तर प्रदेश सरकार लिख सकता है 7 परन्तु छोटे स्तर के अधिकारी यह भूल जाते है कि उत्तर प्रदेश सरकार कब और कहा लिखा जाता है 7 अधिकारी के डर से कोई पुलिसकर्मी उच्च स्तर या नीचे स्तर के अधिकारियों का चालान नही काट पाते है ।क्योंकि वह अपने पावर का धौस दिखा देते है। ऐसा ही आज कुछ देखने को मिला तहसील कायमगंज में। सप्लाई इस्पेक्टर के ड्राइवर ने अपनी गाड़ी पर लिखे उत्तर प्रदेश सरकार की धौस दिखाकर रास्ते में गाली गलौज करने लगा। जब लोगों ने इसका विरोध किया तो वह कहने लगा कि हम सरकार के आदमी है। हमारा पुलिस भी कुछ नही करती तो आम जनता क्या कर लेगी 7 इस डर की वजह से वहां मौजूद आम आदमी कुछ नही कह पाए और सप्लाई इस्पेक्टर का ड्राइवर अपनी मनमानी के चलते आम आदमी के साथ आये दिन गाली गालौज करता रहता है 7

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Your small efforts can save someone's life, psychiatrist gives important tips

Increasing suicide cases are a matter of serious concern globally. Every year millions of people around the world lose their lives due to suicide. This problem is also emerging as a major concern in India. According to a new report, the annual rate of student suicide in India has increased rapidly. Based on the data of the National Crime Records Bureau (NCRB) 2024, while the number of total suicides has increased by 2% annually, the rate of increase in student suicide cases is more than 4%. This is definitely a matter of concern. Mental health experts say that having suicidal thoughts is an indicator of serious mental health problems. This also shows that the person has been living in stress-depression for a long time, which if diagnosed and treated in time, the situation could have been prevented from getting worse at this stage. World Suicide Prevention Day is celebrated every year on 10 September with the aim of making plans for the prevention of increasing suicide at the global level, to make people aware about the effort to prevent suicide through various activities. Role of society in suicide prevention - Dr. Satyakant Trivedi, senior psychiatrist and member of the Suicide Prevention Task Force constituted by the Government of Madhya Pradesh, says, every person in the society can play an important role in suicide prevention. We all understand the situation of the people living around us, friends, relatives, co-workers. If you are feeling some different change or disappointment in such people, whether it is mood or behavior or even in the things said by them, then serious attention should be paid to it. Identifying such signs in time and paying attention to it, talking to the person can be helpful in preventing a possible suicide. Increasing suicide rate among students - The increasing suicide rate among students is in the headlines these days. In the year 2022, 53% of the total student suicides were male students. However, between 2021 and 2022, male student suicides decreased by 6%, while female student suicides increased by 7%. Dr Satyakant says, unnecessary pressure of studies on students, situations like comparison with peers are increasing mental stress. Parents can play an important role in preventing suicides among students at the primary level. Avoid comparing each other - Psychiatrists say, our focus should be on promoting the abilities of children, so that it is helpful in their overall well-being, and not on motivating them to compete with each other. It is important that a systematic, comprehensive and strong career and college counseling system is created within each institution. Topics like mental health improvement should also be included in the teaching curriculum. How can suicides be prevented? Dr Satyakant says, apart from students, family discord, financial constraints have also been a reason for suicide. To prevent suicides, pay serious attention to the behavior of people around you. If you notice any negative changes in them, be careful. Talk to that person. Sometimes the best thing is to just be present with such people. For that person, knowing that someone cares for him and is with him, this also gives strength to the mind and can reduce the intensity of suicidal thoughts. Encourage such people to seek help from a professional psychiatrist as soon as possible. A little effort on your part can save someone's life.

Even a five star hotel fails in front of Akshay Kumar's house, if you don't believe then see the pictures yourself

Akshay Kumar lives with his wife Twinkle Khanna and both children Aarav and Nitara in Andheri West, Mumbai. Here he has a two storey luxurious house in Lokhandwala Complex. The actor's luxurious bungalow is on the sea shore in Juhu. The interior of Akshay Kumar's sea facing house has been done by his wife Twinkle Khanna. The price of Akshay Kumar's house is said to be around 80 crores. The ground floor of the actor's grand bungalow has a living area, dining room, kitchen, Akshay's closet and home theater. A luxurious and grand garden is also made in the house. Where Akshay has been seen playing volleyball with Bollywood celebs. On the first floor of the house there is his and children's bedroom, pantry, Twinkle Khanna's office, which includes a magnificent library and balcony. The interior of Akshay's house is on organic theme - the house has been decorated in a traditional way along with modern things. From the living area to the garden, you can see beautiful South Indian silver statues and European style statues, which enhance the grandeur of their house. The house is decorated on an organic theme. Sofas of different designs are installed in the house, while curtains with matching prints have been used. Decoration with statues and beautiful paintings - A big beautiful statue of Lord Ganesha is installed outside the living area of ??the house. Hanuman ji's statue is seen inside the living room. The house is decorated with beige colored sofas and different types of attractive paintings. Twinkle Khanna's office and library - Most of the pictures are seen of Twinkle Khanna's office, which is built in her house itself. Twinkle Khanna is a writer, whose many books have been published. A glimpse of this is seen in her office. A library is built in Twinkle Khanna's office. The office is decorated with paintings and decorative items. Also, there is comfortable furniture and a big bed style swing, where Akshay's wife spends most of her time. Pictures of Akshay Kumar's bedroom- The beauty of Akshay and Twinkle's bedroom is worth seeing. From floor to ceiling, their bedroom has glass windows which show the garden outside. Light yellow light and unique design enhance its beauty. Elephant print is given on the walls. Balcony and garden of Akshay's house- Greenery can be seen everywhere in Akshay Kumar's house. A glimpse of nature can be seen on the walls of his house. Indoor plants and matching paintings look quite impressive. A big statue and stone sitting area is also made in the garden of the house. Apart from this, many fruit and vegetable trees are planted. Tables, chairs and sofas are also installed here to spend a peaceful moment. Two swings are also hung amidst the greenery, where Akshay and his family often spend time.

Do not say these 7 things to your wife even by mistake, the relationship will become bitter forever

In India, married life is considered a relationship of births. Husband and wife complement each other. Both of them together form a family, in which due to love and affection, this relationship can be maintained sweetly throughout life. However, it is tied with a weak string, in which if some things are not taken care of, then bitterness starts coming in the relationship. In such a situation, there is often a dispute between husband and wife and distance starts coming. In many cases, the relationship comes to the verge of breaking. If you want to maintain a sweet relationship with your spouse, then avoid making some mistakes. This article is for married men. He often unknowingly says some such things to his wife, which can create a rift in their relationship. No matter how much you love your wife, Husbands should not say these 7 things to their wives even wife's physique. They jokingly call their wives fat, thin or if it is her husband who is doing it. When the husband starts feeling distance from you. Comparison with mother husband compares his wife's cooking skills with his mother, when the husband says "No one can match his mother in hard work of his wife. She starts feeling that no matter wife to keep calm - Often many such things happen in the will understand her pain and support her, but when the the wife gets disappointed. She feels that the husband does

but there are 7 such things that no husband should say to his wife. by mistake. Joking about wife's looks - Often husbands make fun of their short in height. This is called body shaming which no woman likes, even talks about her body or beauty, the wife starts losing confidence and - There is no comparison to the food cooked by mother but when a no wife likes it. A wife cooks food for her husband with a lot of love but cooking, or ask his mother how to make her favorite dish", it spoils the how delicious food she cooks, her husband will never like it. Telling the in-laws' house that can make the wife sad. A wife expects that the husband husband tells the wife to keep calm or tells the wife that she is overreacting, not want to understand her pain. Due to this, she starts getting emotionally distant from her husband. Adjust in the family - Every husband expects his wife to adjust in his family. Try to adapt yourself even in adverse circumstances. A woman herself tries to adjust with her husband's family and maintain peace in the family. But when the husband says this to the wife, she does not like it. The husband's saying that learn to adjust in his family and situation makes the wife feel that the husband will never support her. Insult of wife and her family - Respect is the most important in every relationship. A wife expects her husband to respect her. But when a husband does not respect his wife, bitterness starts creeping into the relationship. The biggest mistake men make is by talking disrespectfully about their family in front of their wife. She can tolerate being abused, but if her family is not respected, the respect for her husband and in-laws starts diminishing in the eyes of the woman. You are like your parents - In anger or jokingly, in no situation should a husband tell his wife that you are like your mother or your parents. A woman can take this in a negative way that her husband is insulting her and her family. Therefore, think carefully before saying anything to your wife. What do you do all day? - Often men feel that they work more than women. Especially women who take care of the house must be relaxing at home. Many times husbands ask their wives that what do you do all day? With this question, they make their wives feel that the work and hard work of women has no value. Such things hurt your wife's self-esteem, whereas for a healthy relationship it is important that you appreciate your wife's work.

'Stree 2' is ready to defeat 'Pathan', this is how Vijay's 'Goat' performed in Monday test

There is a boom in cinemas and that too because of only one film. The attraction of 'Stree 2' released last month is still intact in the fourth week. It is ruling alone by overtaking all the films. Stree 2 has already overshadowed films like Khel Khel Mein and Veda released with it.

At present, 'The Greatest of All Time' (Goat) is attached with Stree 2. How was the Monday test of Dalapati Vijay's film released on 5 September and how much did Stree 2 earn? Let's know... 'Stree 2's magic remains intact- Amar Kaushik's film 'Stree 2' has proved to be the biggest Bollywood film of this year and has also broken the records of many previous films in many cases. It made a great start by collecting more than Rs 70 crore on the opening day. Now till the fourth week of its release, its earnings are going great. Stree 2 earned Rs 291.65 crore in the first week. Then in the second week it earned Rs 141.4 crore and in the third week it earned Rs 70.2 crore. Stepping towards 600 crores- This film of Shraddha Kapoor and Rajkumar Rao has been made in a budget of about Rs 60 crores. Stree 2 did a business of Rs 3.25 crore yesterday on Monday, the 26th day. This was the fourth Monday of this film and in this sense this performance will be considered spectacular. The total earnings of the film have now become Rs 530.50 crores. In terms of lifetime collection, the film has pushed Gadar 2 behind. Now it is the turn to overtake Shahrukh Khan's Pathan. Pathan's lifetime collection is Rs 543.05 crores. 'The Greatest of All Time'- Dalapati Vijay's film 'The Greatest of All Time' is also running in theaters. This film collected Rs 44 crore on the opening day. On the second day, it earned 25.5 crores and on the third day, it earned 33.5 crores. Then on the fourth day, Sunday, the film earned 34 crores. Yesterday was the first Monday of this film. Made in a budget of about 400 crores, this film collected 14.1 crores in the first Monday test. The total business of the film has now become 151.11 crores. 'Khel Khel Mein' - Along with Stree 2, Akshay Kumar's film 'Khel Khel Mein' was also released on the occasion of Independence Day. Although this film is not performing well, it is still running in the theatres. On the fourth Sunday (25th day), the film 'Khel Khel Mein' collected 1.1 crores. But yesterday, on Monday i.e. the 26th day, its earnings were only 28 lakhs. With this, the total collection of the film has now become 34.68 crores.

These South films could not do wonders even after tremendous discussion in 2024, see list

Tamil superstar Vijay's film The Greatest of All Time was being discussed for a long time. Now this film has been released on the big screen. However, the performance of this film at the box office has not been very good. Goat is looking far behind Vijay's previous film Leo.

Made with a big budget, this film has not performed as expected in the first weekend, so the threat of flopping is looming over the film. Let us know about those South Indian films of this year, which did not perform well at the box office despite tremendous discussion. Indian 2- Kamal Haasan's Indian 2 was released recently. It was a sequel to Indian, directed by Shankar 27 years ago. The audience had very high expectations from the film. However, people were disappointed after the release. This film completely failed to cast its magic in the hearts of the people. Malaikottai Valiban- Mohanlal is counted among the biggest stars of Malayalam films. In his acting career, he has given many hit films.

There was a lot of curiosity among the fans about his film - Laikottai Valiban. However, when this film was released, it could not do anything special at the box office. The audience completely rejected this film. This film flopped badly at the box office. Tangalan- Vikram is one of the talented stars of Tamil cinema. Recently he was seen in the film Tangalan. Directed by Pa Ranjit, this film was successful in making a good start at the box office, but after this the film's earnings kept falling continuously. This film collected only Rs 45 crore at the Indian ticket window. Guntur Karam- The name of Telugu superstar Mahesh Babu's film Guntur Karam is also included in this list. Released earlier this year, this film could not do wonders at the box office. Although the film opened with Rs 41.3 crore at the ticket window, it could only collect Rs 126.62 crore at the box office.

The era of Indian horror cinema started thanks to Ramsay Brothers, ghost films made history

On the 56th birthday of Bollywood's Khiladi Kumar i.e. superstar Akshay Kumar, a new film of his has been announced today. He will be seen in the horror-comedy film 'Bhoot Bangla' directed by Priyadarshan. Akshay and Akshay are going to work together again after 14 years. Horror-comedy genre films are well liked by the audience. Its recent examples are 'Munja' and 'Stree 2'. The credit for starting the era of horror films goes to the Ramsay Brothers. In such a situation, let us tell you today about those who gave birth to this genre in India. In the early 1970s, Indian cinema was at a new turning point. Till this time the Indian film industry was mainly focused on romance, drama and action, but there was a family that resolved to change the course of Indian cinema. This family was of Ramsay Brothers, which had seven brothers. Tulsi Ramsay was the eldest, then the brothers were Shyam Ramsay, Gangu Ramsay, Kumar Ramsay, Keshu Ramsay, Kiran Ramsay and Arjun Ramsay. They decided to make Indian horror films. They believed that Indian audiences should also get a unique experience of horror films, which is different from Western films. Ramsay Brothers included Indian folklore, traditions and myths in their films. Their films were not only scary, but also presented a special Indian impression. They chose old forts, mansions and deserted places for filming and gave a new experience to the audience by adding stories of ghosts and spirits in the films. The work of all the seven brothers was also different. Tulsi and Shyam took the command of direction in horror films. The story and screenplay was done by Kumar Ramsay. Production design was done by Arjun, cinematography was done by Gangu Ramsay and Keshu Ramsay and music and sound was done by Kiran Ramsay. Ramsay Brothers also got the idea of ??making horror films in a very scary and interesting way. In fact, his family member Alisha Preeti Kriplani had mentioned in 'Ghost in Our Backyard' that a strange incident had happened in 1983. Shyam Ramsay had gone to Mahabaleshwar for a shooting. The team had left and he was returning to Mumbai after the shooting was over, when a girl asked him for a lift and he also made her sit in the front seat of his car, but after a while he lost his senses when he noticed the girl's feet. It was told that the girl's feet were inverted and Shyam stopped the car out of fear, after which the girl suddenly got out of the car and disappeared in the darkness. After this Shyam came to Mumbai driving fast and after this the Ramsay Brothers got the idea of ??making horror films. The first horror film made under the direction of Ramsay Brothers was 'Do Gaj Zameen Ke Neeche' in 1972, which laid the foundation of Indian horror cinema. The film gave the audience a unique and terrifying experience for the first time. After this, the Ramsay Brothers made many successful horror films, such as 'Biwi Ki Bhootiya' in 1977, 'Veerana' in 1988 and 'Raja Babu' released in 1989. These films not only gave the Indian audience a new experience of fear, but also gave a new identity to Indian horror cinema. Although the films of the Ramsay Brothers were sometimes criticized, their hard work and the horror films produced by them hold an important place in the history of Indian cinema. Their work gave a special identity to Indian horror cinema and inspired new directors and producers. Over time, the contribution of the Ramsay Brothers became a source of inspiration for other producers and directors in an industry and their films are still watched by Indian film lovers. Their story shows how a small family added a new chapter to the world of Indian cinema with their dreams and determination.